

This question paper contains 3 printed pages]

Y—2—2018

FACULTY OF ARTS

M.A. (First Year) (First Semester) EXAMINATION

MARCH/APRIL, 2018

HINDI

Paper I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य : भाग 1)

(Monday, 9-4-2018)

Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.

Time—Three Hours

Maximum Marks—75

N.B. :— (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. संदर्भ सहित अर्थ स्पष्ट कीजिए :

(अ) “मूखि संग न कीजिए, लोहा जलि न तिराइ।
कदली सीप भवँग मुषी, एक बूँद तिहूँ भाइ ॥
मारी मरूँ कुसंग की, केला काँटे बेरि।
वो हालै वो चारिये, सापित सँग न बेरि ॥”

10

अथवा

“भर भादौ दूभर अतिभारी। कैसे भरौ रैनि औंधियारी।
मौंदिल सून पिच अनतै बसा। सेज नाग भै धै धै डसा।
रहौ अकेलि गहें एक पाटी। नैन पसारि मरौ हिय फाटी।
चमकि बीज घन गरजि तरासा। बिरह काल होई जीऊ गरासा ॥”

(आ) “लोल कपोल ललित मनि-कुंडल

अधर बिम्ब अध जाई।

भौँह भ्रमर, नासापुट सुन्दर

से देखि करि लजाई ॥”

10

P.T.O.

अथवा

“खेलत मानसरोवर गई। जाइ पालि पर ठाढी भई।
देखि सरोवर रहसहिं केली। पदुमावति सौं कहहि सहेली।
ऐ राजी मन देखु बिचारी। एहि नैहर रहना दिन चारी
जो लहि अहै पिता कर राजू। खेलि लेहु जौं खेलहु आजू॥”

2. कबीर की विरह-भावना को सोदाहरण समझाइए। 20

अथवा

“विद्यापति भक्ति और शृंगार के कवि हैं।” विद्यापति के ‘पदावली’ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

- (अ) कबीर के गुरु संबंधी विचार। 10

अथवा

पद्मावत की नागमती।

- (आ) जायसी का बारहमासा वर्णन। 10

अथवा

विद्यापति की पदावली की भाषा।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 15-20 पंक्तियों में लिखिए : 5

- (i) रैदास की काव्य-विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
(ii) सरहपाद का जीवन परिचय दीजिए।
(iii) रासो साहित्य में चंदबरदाई के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट कीजिए।
(iv) मीराबाई की रचनाओं का परिचय लिखिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए : 5

- (i) नन्ददास के गुरु का नाम क्या था ?
(ii) मीराबाई के ससुर का नाम क्या था ?

- (iii) 'दोहाकोश' किस रचनाकार की रचना है ?
- (iv) रैदास का जन्म कहाँ हुआ ?
- (v) 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता कौन हैं ?
- (ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :
- (i) राहुल सांकृत्यायन ने को हिंदी का पहला कवि माना है।
- (ii) 'रसमंजरि' के रचनाकार हैं।
- (iii) चंदबरदाई के दरबारी कवि थे।
- (iv) रैदास काव्यधारा के कवि हैं।
- (v) मीराबाई के आराध्य थे।

5